प्राक्कथन

भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में, हम बहुत पहले से ही हम अपनी अनमोल विरासत को भूल चूके हैं।

हमारे पागलपन की जड़ों में हमारा स्वार्थ और लोभ निहित है।

लेकिन क्या आपको यह महसूस नहीं होता कि हमें अपनी उस अनमोल विरासत के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उसका जतन करना चाहिये, औऱ इस तरह जीने का सलीका सीखना चाहिए, ताकि वह सुरक्षित रह पाये।

वस्तुत: हमारी यह अमुल्य विरासत बचाना ही हमारा जीवन मंत्र बन जाना चाहिए। स्वयं अपने लिये और भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की भलाई के लिए भी, इस अमुल्य विरासत को बचाकर रखना नितांत ज़रूरी है।

हमारी आने वाली पीढ़ियों को देने के लिए यही एकमात्र सच्ची विरासत है!

अनुक्रम

1. प्रकरण 1 - रात की नीरव शांति सन्नाटा 2
2. प्रकरण 2 - खिड़की के बाहर 8
3. प्रकरण 3 - बगीचे में 14
4. प्रकरण 4 - साहस का प्रारंभ 20
5. प्रकरण 5 - बाहर की दुनिया 25
6. प्रकरण 6 - एक नया अभियान..... 32
7. प्रकरण 7 - जीवनशैली 40
8. प्रकरण 8 - एक अतिथि, एक दोस्त..... 50
9. प्रकरण 9 - सच्ची शक्ति..... 54
10. प्रकरण 10 - परिवर्तन की ओर..... 58

निष्कर्ष 64

रात की नीरव शांति

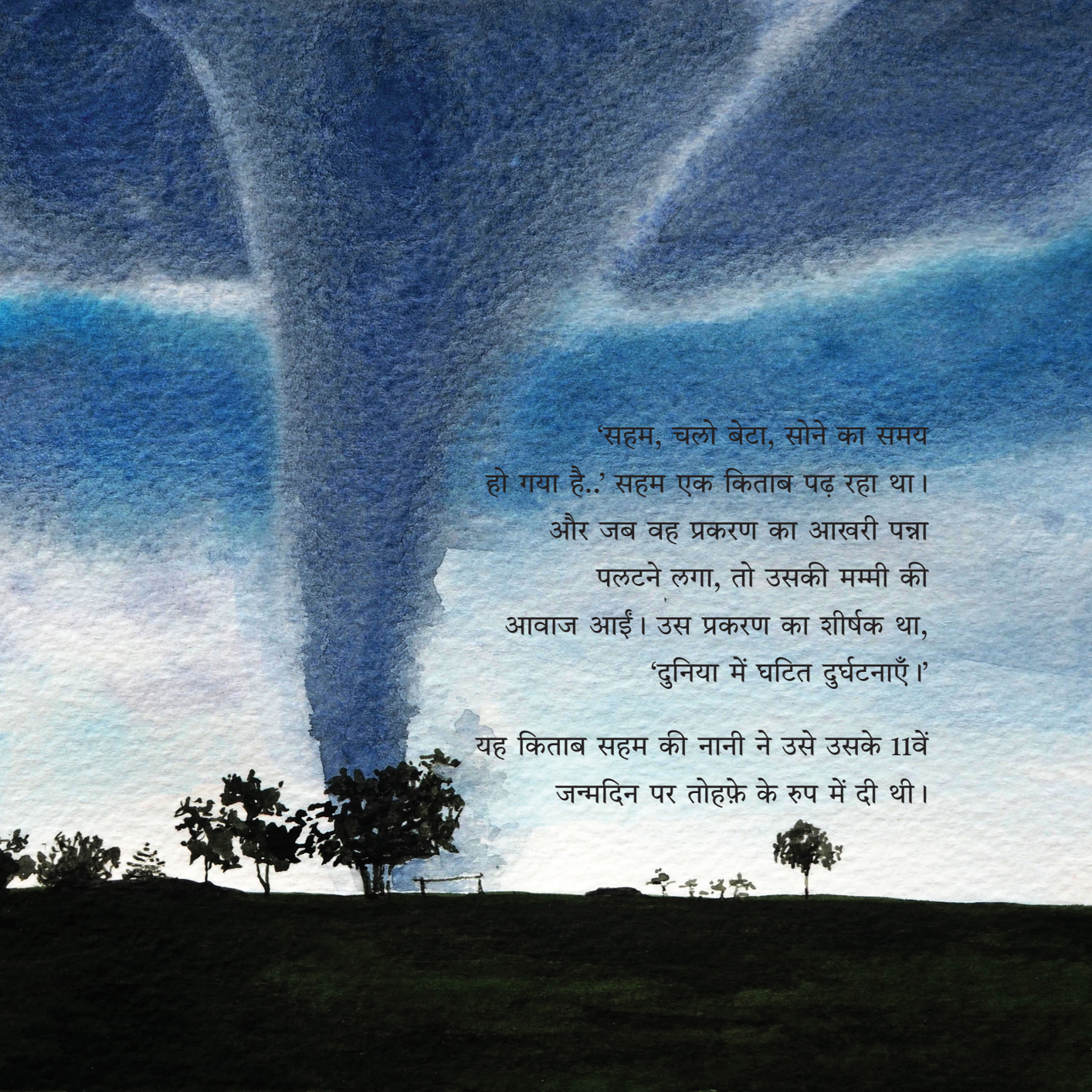

‘सहम, चलो बेटा, सोने का समय
हो गया है..’ सहम एक किताब पढ़ रहा था।
और जब वह प्रकरण का आखरी पन्ना
पलटने लगा, तो उसकी मम्मी की
आवाज आईं। उस प्रकरण का शीर्षक था,
‘दुनिया में घटित दुर्घटनाएँ।’

यह किताब सहम की नानी ने उसे उसके 11वें
जन्मदिन पर तोहफ़े के रुप में दी थी।

‘हाँ, मम्मा,’ सहम ने जवाब दिया, लेकिन उस किताब का प्रकरण अभी भी उसके दिमाग में घुम रहा था। कोविड की महामारी कुछ महीने पहले ही शुरू हुई थी। सहम यह जानने के लिए बेचैन था कि क्या दुनिया ने इससे पहले कभी ऐसा डरावना मंज़र देखा है, लेकिन उस किताब ने अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं दिया था।

वह ब्रश कर रहा था, लेकिन उसके दिमाग में अभी भी वही बात घुम रही थी। तभी, उसकी नानी लडखडाते कदमों से उसके कमरे में आई। ‘चलो, बेटा सहम, मैं तुम्हें अच्छी तरह से सुला दूँ!’ नानी की आवाज़ में प्यार झलक रहा था। सहम उठा। उसने जल्दी से ब्रश कर मूँह धोकर नानी के पास आया। पूरी दुनिया में अगर कोई उसे सबसे ज्यादा प्यारा था, तो वह थी उसकी नानी। जब से कोविड आया था, तभी से, उसकी नानी उसके साथ रहने आ गई थीं, और एक मात्र इसी वजह से, उसे सच में कोविड पसंद था! पिछले कई महीनों से, सोने का समय उसका पसंदीदा समय बन गया था ।: नानी उसे प्यार से सुलाती और कभी-कभी उसे परियों की कहानियाँ भी पढ़कर सुनाती थीं।

आज, उसने खुद को नानी के कंबल में लपेट लिया। नानी के बदन से आने वाली खास खुशबू उसे बहुत सुकून दे रही थी।

‘नानी...’ उसने कुछ सोचकर कहा। ‘बोलो बेटा, क्या बात है?’ उसने नानी के झुर्रियों वाले, मुस्कुराते चेहरे को देखा। उनके चेहरे पर झुर्रियाँ पैड़ की डालियों जैसी थीं और उनके सफेद बाल बादलों जैसे थे। उसे बादलों वाले आसमान के नीचे साइकिल चलाने में बडा ही मज़ा आ रहा था।

‘नानी, क्या तुमने पहले कभी ऐसी महामारी देखी है?’ उसने पूछा। नानी ने एक पल सोचा और जवाब दिया, ‘ऐसी महामारी तो नहीं, लेकिन मैंने कई और मुसीबतें देखी हैं।’ फिर, एक पल रुककर, उसने पलकें झपकाईं, ‘देखो, मैं कितनी बूढ़ी हो गई हूँ!’ ‘नानी...’ नानी ने सहम की बड़ी-बडी आँखों में चिंता देखी। उन्होंने प्यार से सहम का सिर थपथपाया और कहा, ‘देखो बेटा, सब ठीक हो जाएगा। हमारी दुनिया पहले भी ऐसी मुसीबतों से निकल चुकी है और इस बार भी सब ठीक हो जाएगा। और एक बात: क्या तुमने यह भी देखा है कि धरती कितनी खुश दिख रही है? कुदरत ने हम सबको अपने अपने घरों में कैद कर दिया है और वह कुछ समय के लिये आराम के पल जी रही है।’

सहम यह सुनकर हैरान रह गया। उसने ऐसा तो कभी सोचा भी नहीं था, पर यह सच था। बगीचे की हवा में ज़्यादा ताज़गी थी, और उसकी गली में लगे पेड़ों में इतनी हरियाली कभी दिखाई नहीं दी थी। कुछ दिन पहले, जब वह

सो कर उठा, तो उसे एक नया पक्षी भी दिखाई दे गया था। इन्सानी हस्तक्षेप से आज़ाद प्रकृति माँ बन, जैसे नए रहस्यों पर से पर्दा उठाती दिख रही थी।

“लेकिन नानी, प्रकृतिने सिर्फ़ इन्सानों को ही क्यों इस तरह घर में बंदी बना कर रखा है?” ‘हाँ बेटा, मैं कोई वैज्ञानिक तो हूँ नहीं, परंतु मुझे लगता है कि धरती माँ हमें समय-समय पर सबक सिखाती रहती है। शायद इस बार भी वह हमें सब्र रखने को कह रही है। जिस तरह से हम प्रकृति का दोहन करने और उसका गलत इस्तेमाल करने के आदी हो गए हैं, हमें उससे दूर रहनें की हिदायत दे रही है।’ सहम ने सिर हिलाया। वह समझ नहीं पा रहा था कि जवाब में क्या कहे, पर उसे लगा कि नानी सही कह रही हैं। वह समझ गया था कि महामारी के चलते बहुत कुछ बुरा हो रहा है तो कुछ अच्छा भी हो रहा है।

‘गुड नाइट, नानी!’ उसने धीरे से कहा।

‘गुड नाइट, बेटा!’ नानी मुस्कुराईं। सहम थोडी ही देर में सो गया। सपनों में उसे नीला आसमान और चहचहाते पक्षी दिखाई दिए।